(ख) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि स्टेट बैंक आफ इंदौर अपने वार्षिक जमा लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सरकारी विभागों/निकायों से अल्प अवधि के लिए भारी जमाराशि इकट्ठा कर रहा है ; और

(ग) यदि हां, तो सरकार इस मामले में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडुवर्डो फलेरियो) : (क) भारतीय रिजर्व बैंक के निदेश के अनुसार सरकारी निकायों/विभागों सहित किसी भी स्रोत से जमाराशियां प्राप्त करने के लिए जमाराशियों पर किसी व्यक्ति, फर्म, कंपनी, संघ, संस्था आदि को किसी भी तरह की दलाली/कमीशन देने के लिए बकों को वर्जित किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक और इसके अनुषंगी बैंकों द्वारा इस निर्देश का उल्लंघन करने का कोई मामला सरकार या रिजर्व बैंक की जानकारी में नहीं आया है ।

(ख) और (ग) भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचित किया है कि स्टेट बैंक आफ इंदौर द्वारा जमाराशियों की हेरा-फेरी से बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने का कोई प्रमाण उसकी जानकारी में नहीं आया है । फिर भी भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के उल्लंघन के बारे में जब कभी कोई मामला सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक की जानकारी में आता है तो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा उचित कार्रवाई की जाती है ।

India's external vis-a-vis, internal debt position

1946. SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been a sharp increase in India's internal debt;

(b) what is the position of internal debt *vis-a-vis* external debt as at present;

(c) whether it is a fact that the size of the outstanding debt at the end of 1988 was around Rs. 76,000 crore; and

(d) whether it is also a fact that the internal banking authorities have estimated that India's external debt would in the near future increase to the tune of Rs. 90,000 crore?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) The internal debt outstanding at the end of 1987-88 and 1988-89 is estimated to be Rs. 172338 crores and Rs. 203002 crores respectively.

(d) The internal and external debt outstanding as at the end of 1988-89 is estimated to be Rs. 203002 crores and Rs. 68831 crores respectively.

(c) No, Sir.

(d) International assessments differ and are generally not comparable to official estimates due to variations in coverage, timing and valuation.

Grant of foreign exchange to the Editor of Nai Dunia

1947. SHRI M. S. GURUPADASWAMY: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that foreign exchange had been given to Shri Abhay Chhajalani, Editor of Hindi newspaper Nai Dunia published from Indore when he went on foreign tours along with Prime Minister; and

(b) whether permission was granted by the Reserve Bank of India?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO):